२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

1

जब शैतान और अधिक बहका नहीं सकेगा

2

उत्तरी ध्रूव में अन्वेषण करने वालों का एक समूह एक पत्थरीले उजाड़ द्वीप पर फंस गया। उनकी सामग्रियाँ शीघ्र ही समाप्त हो रहीं थी। वे अपना अंतिम भोजन खा चुके थे। उनका ईंधन खत्म हो रहा था। तापमान शीघ्रता से गिर रहा था और वे ठंड के कारण जम रहे थे। वे जान गए थे कि मृत्यु शीघ्र आने वाली है। जब वे आशा छोड़ चुके थे तभी,

3

उनमें से एक ने क्षितिज में धुएं के छोटे से बादल को बहते हुए देखा। किसी ने उनके रेडियो के संकेत को सुन लिया था। सहायता आ रही थी। जीवित रहने के लिए उन्हें क्षितिज पर धुएं के छोटे से बादल की आवश्यकता थी। लम्बा भयानक स्वप्न समाप्त होने वाला था। शीघ्र ही वे बचाने वाले जहाज में सुरक्षित होंगे, और फिर जल्दी ही अपने घर पर होंगे।

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

4

बाईबिल की अंतिम पुस्तक प्रकाशितवाक्य यह बताती है कि मदद रास्ते में है। हम भी शीघ्र ही मुक्त हो जाएंगे। पाप का वह लम्बा भयानक स्वप्न समाप्त हो जाएगा। हम मुक्त हो जाएंगे, और शैतान बन्दीगृह में होगा। हम स्वतंत्र किए जाएंगे, और शैतान बांध लिया जाएगा। हम यीशु से मिलने आसमान पर उठा लिए जाएंगे, और शैतान इस पृथ्वी पर अकेलेपन की जंजीरों से बांध दिया जाएगा। हम अनन्त जीवन प्राप्त करेंगे और शैतान और उसके अनुयायी अनन्त विनाश के दण्ड की आज्ञा को प्राप्त करेंगे।

5

(दृश्य)

कभी-कभी कोई न्यायाधीश किसी अपराधी को उसके अपराध के प्रति समाज का रोष प्रकट करने के लिए बहुत लम्बी सज़ा सुना देता है। तीन या चार आजीवन कारावास या ९९ वर्ष की सजा बूढ़े अपराधी को दी जाती है यह जानते हुए कि वह इतनी सजा नहीं भुगत सकता।

6

परन्तु न्यायाधीश द्वारा घोषित दण्ड समाज के पक्ष में और जघन्य अपराधों के लिये दिया जाता है।

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

7

क्या आप जानते हैं कि वह समय शीघ्र आने वाला है जब न्यायाधीश १००० वर्षों का दण्ड सुनाएगा और अपराधी को प्रतिदिन उसे सहना पड़ेगा?

8

(मूलपाठः प्रकाशितवाक्य २०:१-३)
इन शब्दों को बाइबिल से सुनिए: "फिर मैं ने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा, जिस के हाथ में अथाह कुंड की कुंजी और एक बड़ी जंजीर थी।"

9

उस ने उस अजगर, अर्थात पुराने सांप को, जो इबलीस और शैतान है, पकड़ कर हजार वर्ष के लिए बांध दिया;

10

और उसे अथाह कुंड में डालकर बन्द कर दिया और उस पर मुहर कर दी,

11

कि हजार वर्ष के पूरे होने तक जाति - जाति के लोगों को फिर न भरमाए।

12

परन्तु इस के बाद आवश्यक है, कि थोड़ी देर के लिए फिर खोला जाए।"
प्रकाशितवाक्य २०:१-३

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

13

हम यहाँ पाते हैं कि परमेश्वर के पास सारे समय के सबसे बड़े अपराधी की सजा के लिए एक योजना है -- ऐसा अपराधी जो इस पृथ्वी पर किए गए प्रत्येक पाप और अपराध में सम्मिलित हो। परन्तु समय शीघ्र आने वाला है जब वह १००० वर्षों के लिए बन्दी बना दिया जाएगा। इन हजार वर्षों का समय विश्व का सबसे अधिक दु:खी, निर्जन, और उजाड़ समय होगा। इस अवधि को शताब्दी भी कहते हैं।

14

क्या है शताब्दी?

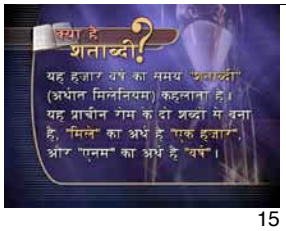

15

यह हजार वर्ष का समय "शताब्दी" (अर्थात मिलेनियम) कहलाता है, यह प्राचीन रोम के दो शब्दों से बना है, मिले का अर्थ है "एक हजार" और एनम का अर्थ है "वर्ष।"

16

भविष्यवाणी कहती है कि शैतान बांध दिया जाएगा

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

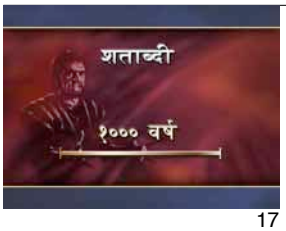

17

एक हजार वर्ष और तब वह थोड़ी देर के लिए छोड़ दिया जाएगा संसार को यह दर्शाने के लिए कि १००० वर्षों के बाद भी वह नहीं बदला -- वह अब भी वही शैतान है। हमें इस भविष्यवाणी को समझने की और पूर्णरूप से इसके महत्व को देखने की आवश्यकता है। देखें कि यह किस प्रकार आरम्भ होती है और किस प्रकार इसका अंत होता है और इस अवधि के बीच क्या होता है।

18

मुझे कुछ कहने दीजिए और तब मैं आगे उस कथन की सच्चाई को सिद्ध करूंगा।

यह शताब्दी दो पुनरुत्थानों के द्वारा जुड़ी हुई है:

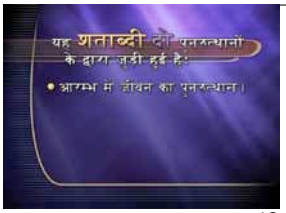

19

१) उस अवधि के आरम्भ में जीवन का पुनरुत्थान, और

20

२) उस अवधि के अन्त में दण्ड का पुनरुत्थान।

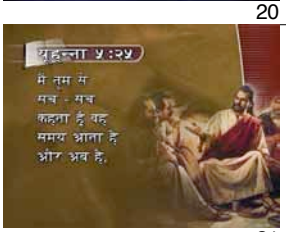

21

(मूलपाठः यूहन्ना ५:२५)

एक दिन जब यीशु मृत्यु के विषय में अपने शिष्यों को उपदेश दे रहे थे, उन्होंने कहाः "मैं तुम से सच -सच कहता हूँ वह समय आता है और अब है,

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

22

जब मृतक परमेश्वर के पुत्र का शब्द सुनेंगे, और जो सुनेंगे वे जीएंगे।"

यूहन्ना ५:२५

आप यहाँ पाते हैं कि मृतक उसकी आवाज सुनेंगे और जीवित हो जाएंगे। इसका अर्थ यह है कि सभी मृतक जीवित हो जाएंगे। मैं जानता हूँ कि आप में से कुछ लोगों को आश्चर्य होगा, क्योंकि आप ने सोचा होगा कि केवल धर्मी मृतक जी उठेंगे। ध्यान दीजिए मसीह ने किस प्रकार इसी अध्याय को २८ और २९ पद में विस्तृत किया है:

23

(मूलपाठः यूहन्ना ५:२८, २९)

"इस बात से अचम्भा मत करो, क्योंकि वह समय आता है कि जितने कब्रों में हैं, उसका शब्द सुनकर निकलेंगे,

24

"और जिन्होंने भलाई की है वे जीवन के पुनरुत्थान के लिए जी उठेंगे;

25

और जिन्होंने बुराई की है वे दंड के पुनरुत्थान के लिए जी उठेंगे।"

यूहन्ना ५: २८, २९

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

26

(दृश्य)

दो पुनरुत्थानों पर ध्यान दीजिए। पहला, उनका पुनरुत्थान जिन्होंने अच्छा किया है, और दूसरा, उनका जिन्होंने निन्दा के कार्य किए।

27

सुनिए, बाइबिल उन लोगों के लिए प्रथम पुनरुत्थान के बारे में क्या कहती है:

28

(मूलपाठ: प्रकाशित वाक्य २०:५,६)

"यह तो पहला पुनरुत्थान है।"

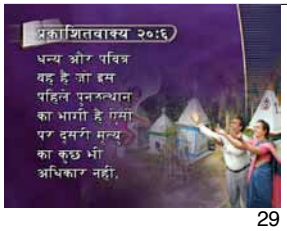

29

धन्य और पवित्र वह है जो इस पहिले पुनरुत्थान का भागी है ऐसों पर दूसरी मृत्यु का कुछ भी अधिकार नहीं,

30

पर वे परमेश्वर और मसीह के याजक होंगे, और उनके साथ हजार वर्ष तक राज्य करेंगे।"

प्रकाशितवाक्य २०:५,६

31

पौलुस ने थिस्सलुनीकियों में जो कहा है उस से यह मेल खाता है।

ध्यान दीजिए वह मसीह के दूसरे आगमन का किस प्रकार वर्णन करता है

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

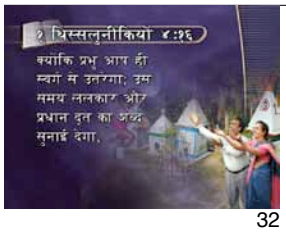

32

(मूलपाठः १ थिस्सलुनीकियों ४:१६, १७)

"क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा,

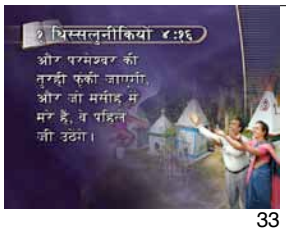

33

और परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे।

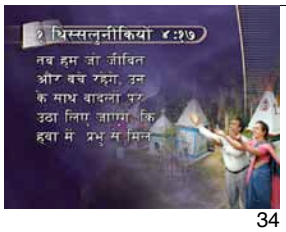

34

तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उन के साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे, कि हवा में प्रभु से मिलें,

35

और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।"

पद १६, १७

36

पुनरुत्थान का क्या ही तेजस्वी वर्णन है।

आप ध्यान देंगे कि जो मसीह में मरे हैं वे पहले जी उठेंगे, और तब मसीह के अनुयायी जो जीवित होंगे वे उन के साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे, कि हवा में प्रभु से मिलें!

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

37

(मूलपाठः यूहन्ना ११:२५)

और उस दिन यीशु के द्वारा की गई प्रतिज्ञा पूरी होगी, "जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा।"

यूहन्ना ११:२५

38

हाँ, जब मसीह वापस आएंगे तब धर्मी मृतक अपनी कब्रों से जीवित होंगे और उठा लिए जाएंगे।

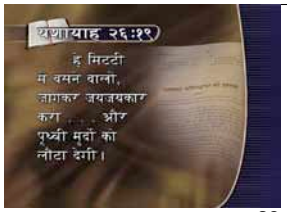

39

(मूलपाठः यशायाह २६:१९)

यशायाह इस आनन्दमय घटना का वर्णन करता है "... हे मिटटी में बसने वालों, जागकर जयजयकार करो ... और पृथ्वी मुर्दो को लौटा देगी।"

यशायाह २६:१९

क्या ही तेजस्वी दिन होगा वह!

40

माताएँ अपने मृत बच्चों से फिर मिलेंगीं। पति और पत्नी फिर मिलेंगे। पुत्र और पुत्रियाँ अपने माता -पिता से फिर मिलेंगे!

कितना संवेदनशील और भावुक होगा वह दृश्य!

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

41

(मूलपाठः यूहन्ना १४:२, ३)

तब वह अदभुत प्रतिज्ञा जो मसीह ने बहुत पहले की थी, पूरी हो जाएगीः "मैं तुम्हारे लिए जगह तैयार करने जाता हूँ।

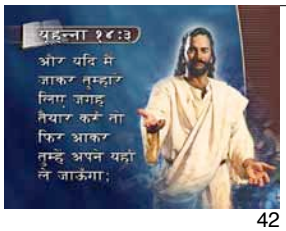

42

और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिए जगह तैयार करूँ तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा;

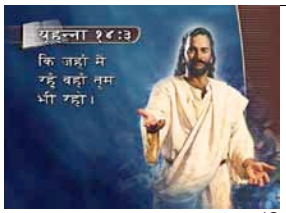

43

कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो।"

यूहन्ना १४:२, ३

यही है वह जगह जहाँ उद्धार पाये हुए लोग एक हजार वर्ष तक का समय बिताएंगे।

44

(मूलपाठः प्रकाशितवाक्य २०:६)

हम क्या कर रहे होंगे? यूहन्ना हमें बताता है "धन्य और पवित्र वह है जो इस पहिले पुनरुत्थान का भागी है ऐसों पर दूसरी मृत्यु का कुछ भी अधिकार नहीं,

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

45

पर वे परमेश्वर और मसीह के याजक होंगे, और उसके साथ एक हजार वर्ष तक राज्य करेंगे।"

प्रकाशितवाक्य २०:६

मसीह और उसके अनुयायियों की संगति के अकथनीय आनन्द के अतिरिक्त यूहन्ना हमें और अधिक परिज्ञान कराता है कि १००० वर्ष के दौरान वे क्या कर रहे होंगे।

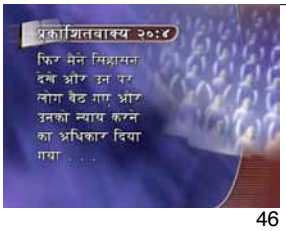

46

(मूलपाठ : प्रकाशित वाक्य २०:४)

"फिर मैने सिंहासन देखे और उन पर लोग बैठ गए और उनको न्याय करने का अधिकार दिया गया।"

प्रकाशितवाक्य २०:४

ब्रह्माण्ड के सर्व बुद्धिमान और सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने दुर्बल स्त्री को पतित दूतों और बिना उद्धार पाए लोगों का न्याय करने के पवित्र कार्य में शामिल किया है।

47

(मूलपाठः १. कुरिन्थियो ६:२)

पौलुस कहता है; "क्या तुम नहीं जानते कि पवित्र लोग जगत का न्याय करेंगे?"

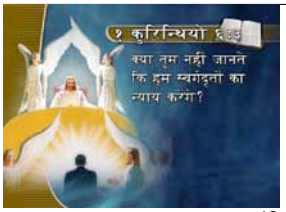

48

क्या तुम नहीं जानते कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे?"

१. कुरिन्थियो ६:३

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

49

यह अन्ततः स्पष्ट हो जाएगा कि परमेश्वर न्यायी, भला और सच्चा है। हजारों वर्षों तक शैतान ने परमेश्वर पर अन्यायी, निर्दयी और पक्षपाती होने का आरोप लगाया है। एक हजार वर्षों के लिए ये विचार थमकर परमेश्वर के चरित्र को सम्पूर्ण सृष्टि के समक्ष सही ठहरा देगा। परन्तु हमें दुष्ट स्वर्गदूतों तथा दुष्ट पापियों का न्याय करने की क्या आवश्यकता है क्या मसीह के आगमन से पहले ही उनका न्याय नहीं हो चुका होगा?

50

सत्य है लेकिन क्या आपने कभी कल्पना की है कि स्वर्ग में से किसी ऐसे व्यक्ति को देखकर आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी जिसे आपकी राय में नाश होने वालों में होना चाहिए था?

आप को परमेश्वर के न्याय की निष्पक्षता पर सन्देह हो सकता है।

51

नाश हो चुके लोगों के जीवन के लेख इन एक हजार वर्षों के बीच खोले जायेंगे तथा अत्यन्त छुपे हुए रहस्य और प्रत्येक दिमाग में संजोये गये उद्देश्यों पर से पर्दा उठ जाएगा।

परमेश्वर का प्रेम और न्याय सही ठहराया जाएगा।

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

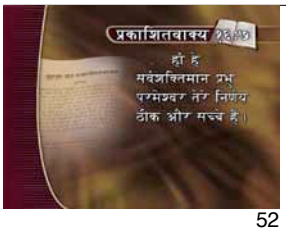

52

(मूलपाठः प्रकाशितवाक्य १६:७)
जीवन लेखों के जांच करने वालों की केवल एक ही प्रतिक्रिया होगीः "हाँ, हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, तेरे निर्णय ठीक और सच्चे हैं।"
प्रकाशितवाक्य १६:७

53

आप सोच रहे होंगे कि उनका क्या हुआ जिन्होंने उद्धार को स्वीकार नहीं किया लेकिन मसीह के आगमन के समय जीवित थे। प्रकाशितवाक्य का १९ वाँ अध्याय मसीह के दूसरे आगमन और उद्धार-रहित लोगों के विनाश का वर्णन करता हैः

54

(मूलपाठः प्रकाशितवाक्य १९:२१)
"और शेष लोग उस घोड़े के सवार की तलवार से जो उसके मुंह से निकलती थी

55

मार डाले गए..."
प्रकाशितवाक्य १९:२१

56

उद्धार रहितों के लिए कोई रास्ता नहीं कि वे मसीह और उसके सब पवित्र दूतों के आगमन की महिमा के सामने ठहर सकें।

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

57

एक स्वर्गदूत यीशु की कब्र पर आया और रोमी सिपाही मृतक समान हो गए।

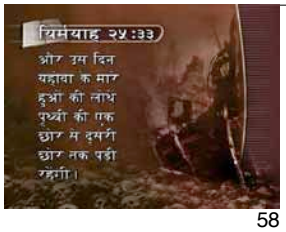

58

(मूलपाठः यिर्मयाह २५:३३)

बाइबिल कहती है कि "और उस दिन यहोवा के मारे हुओं की लोथें पृथ्वी की एक छोर से दूसरी छोर तक पड़ी रहेंगी।

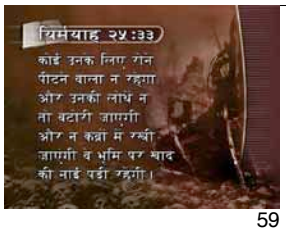

59

कोई उनके लिए रोने पीटने वाला न रहेगा और उनकी लोथें न तो बटोरी जाएंगी और न कब्रों में रखी जाएंगी वे भूमि पर खाद की नाई पड़ी रहेगी।"

यिर्मयाह २५ : ३३

60

मसीह के दूसरे आगमन के समय पर धर्मियों का पुनरुत्थान होता है और वे मसीह से बादलों में मिलने के लिए उठा लिए जाते हैं,

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

61

और उद्धार रहित लोग उसके आगमन के तेज से, और "उस तलवार से जो उस के मुंह से निकलती है।" मारे जाएंगे।

कोई पूछेगा कि "उन उद्धार-रहित मृतकों का क्या होगा जो उस समय कब्रों में होंगे?"

उत्तर प्रकाशितवाक्य के २०वें अध्याय के पाचवें पद में पाया जाता है:

62

(मूलपाठः प्रकाशित ाक्य २०:५)

"और जब तक ये हजार वर्ष पूरे न हुए तब तक शेष मरे हुए न जी उठें..."

63

पहेली सुलझने लगी है यीशु मसीह के वापस आने पर क्या होगा इस की बड़ी तस्वीर साफ होने लगी है:

64

ये वे घटनाएं हैं जो मसीह के दूसरे आगमन के समय घटती हैं

65

१. यीशु सब स्वर्गदूतों के साथ आयेंगे।

(मती २५:३१)

66

२. जो मसीह में मरे हैं वे पहिले जी उठेंगे।

१. थिस्सलुनिकियो ४:१६

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

67

३. तब हम जो जीवित और बचे रहेंगें, उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे, कि हवा में प्रभु से मिले।

१. थिस्सलुनिकियो ४:१७

68

४. जीवित धर्मी यीशु के साथ स्वर्ग जाते हैं और उनके साथ १००० वर्ष तक राज्य करते हैं।

प्रकाशितवाक्य २०:४,६

69

५. उद्धाररहित मसीह के आगमन की चमक से मर जायेगें।

यिर्मयाह २५:३३

70

६. दुष्ट मृतक तब तक नहीं जिलाये जाते जब तक एक हजार वर्ष पूरे न हो जाएं।

प्रकाशितवाक्य २०:५

71

७. शैतान परिस्थितियों की जंजीरों से एक हजार वर्ष के लिए बांध दिया जाता है जिससे वह किसी को परीक्षा में न डाले और न ही नाश करे!

यिर्मयाह ४ २३-२६

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

72

धर्मी स्वर्ग में हैं और सब दुष्ट मर चुके हैं!
अब कोई नहीं है हर जगह विनाश ही विनाश है।
यिर्मयाह ४ : २३–२६

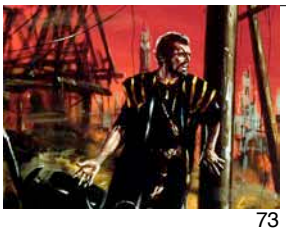
73

पृथ्वी शैतान की जेल बन जाती है बाइबल बताती है कि शैतान १००० वर्ष के लिए अथाह कुण्ड में डाल दिया जाता है।
वह कैसे बंधा है?
परिस्थितियों की जंजीरों से जो उसे १००० वर्ष तक किसी को भी परिक्षा में डालने और नाश करना असंभव बना देती है।

74

जिन्होंने पृथ्वी पर अपने जीवन में शैतान का अनुसरण किया वे मसीह के आगमन पर या तो मर जाएंगे या वे १००० वर्ष पूरे होने तक कब्रों में ही रहेगें।

75

उद्धार पाये हुए १००० वर्ष के लिए मसीह के साथ रहेगें।

76

शैतान के पास परीक्षा में डालने और पथ भ्रष्ट करने के लिए केवल उसके दुष्ट दूत हैं और वे ६००० वर्ष में उतने बुरे बन चुके हैं जितना वह स्वयं है।

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

77

यह पृथ्वी उस की जेल बन जाती है। वह दिखाना चाहता था कि वह संसार पर कैसे शासन करेगा, इसलिए उसने आदम हव्वा को धोखा देकर उनसे अधिकार ले लिया। किन्तु अब सब लोग जान जायेंगे कि वास्तव में वह किस प्रकार का शासक है!

78

(मूलपाठः प्रकाशितवाक्य २०:३)
आपको याद होगा कि प्रकाशितवाक्य कहता है "और उसे अथाह कुण्ड में डाल कर बन्द कर दिया जायेगा और उस पर मुहर लगा दी जायेगी,

79

कि वह हजार वर्ष पूरे होने तक जाति -जाति के लोगों को फिर न भरमाए:

80

और उसके बाद अवश्य है कि थोड़े समय के लिए वह खोला जाए।" अथाह कुण्ड का अर्थ बाईबिल का मूल शब्द पाताल है या अथाह गड्ढा। यह वही शब्द है जो पुराने नियम में संसार की उस सुनसान स्थिति का वर्णन करने के लिए किया गया है, जबकि परमेश्वर ने इस सुन्दर संसार की रचना नहीं की थी।

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

81

(मूलपाठः यिर्मयाह ४:२३)

"मैंने पृथ्वी पर देखा वह निर्जन और सुनसान पड़ी थी ; और आकाश को, और उसमें कोई ज्योति नहीं थी।"

यिर्मयाह ४:२३

82

हाँ, संसार एक उजड़ा स्थान या अथाह कुण्ड था! यह अन्धकार का स्थान हो जाएगा अब ध्यान दीजिए कि इस समय की पृथ्वी के विषय यिर्मयाह और क्या कहना चाहता है :

83

(मूलपाठः यिर्मयाह ४:२४-२५)

"मैंने पहाड़ों को देखा और देखो वे हिल रहे थे और सब पहाड़ियों को कि वे डोल रहीं थीं।

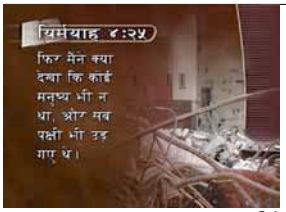

84

फिर मैंने क्या देखा कि कोई मनुष्य भी न था, और सब पक्षी भी उड़ गए थे।"

यिर्मयाह ४:२४,२५

आप देखेंगे कहा गया कि "कोई मनुष्य भी नहीं था।"

85

(मूलपाठः यिर्मयाह ४:२६)

यिर्मयाह पुनः कहता है कि "मैंने देखा, और, देखो उपजाऊ देश जंगले,

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

86

यहोवा के प्रताप और उसके भड़के हुए प्रकोप के कारण उसके सारे नगर खण्डहर हो गए थे।"

२६,२७ पद।

87

निश्चय ही ऐसा स्थान १००० वर्ष की छुटटी बिताने के लिए एक भयानक स्थान होगा। क्या आप ऐसा नहीं मानते? शैतान और दुष्ट दूतों के पास अन्धकार वीरान एकान्त ग्रह पर इधर उधर भटकने और परमेश्वर के विरुद्ध अपने विद्रोह के परिणामों पर चिन्तन करने के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं होगा।

88

अब आइए, हम उन घटनाओं पर पुनर्विचार करें जो १००० वर्ष के दौरान घटने वाली हैं:

89

१ पृथ्वी निर्जन और उजाड़ है।

90

२. सभी उद्धार रहित लोग यीशु के आगमन के तेज से मर चुके हैं।

91

३. सभी उद्धार पाए हुए लोग स्वर्ग में मसीह के साथ राज्य कर रहे हैं।

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

92

४. शैतान इस अन्धेरे निर्जन ग्रह पर अपने विद्रोह पर चिन्तन करने के लिए बांधा गया है।

93

क्या शैतान बदलेगा?

उन दूतों का क्या होगा जिन्होंने शैतान का विद्रोह में साथ दिया?

क्या वे पुनः उसके पीछे चलने का निर्णय करेंगे या वे अब मसीह के पीछे चलेंगे? परमेश्वर का १००० वर्ष को अपने समय चक्र में रखने के कारणों में एक कारण है कि परमेश्वर इस विश्व को दिखाना चाहता है कि शैतान, उसके दूतों, और उनका पीछा करने वालों को यदि पुनः अवसर भी दिया जाए तब भी वे वही निर्णय करेंगे और अपने उसी स्वामी के पीछे चलेंगे।

94

चाहे उन्हें उद्धार की योजना को स्वीकार करने के हजारों अवसर भी क्यों न दिए जाएं फिर भी वे उसको स्वीकार नहीं करेगें।

95

बाइबिल उनके चुनाव के बारे में क्या कहती है?

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

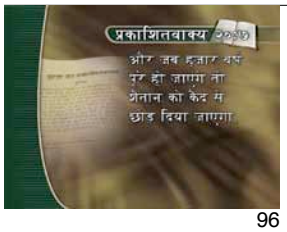

96

(मूलपाठ : प्रकाशितवाक्य २०:७,८) उत्तर

प्रकाशितवाक्य २०:७,८ में दिया गया है कि "और जब हजार वर्ष पूरे हो जाएंगे तो शैतान को कैद से छोड़ दिया जाएगा

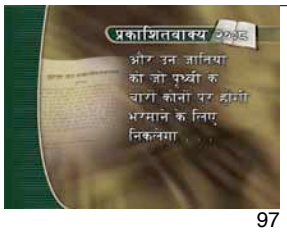

97

और उन जातियों को जो पृथ्वी के चारों कोनों पर होंगी भरमाने के लिए निकलेगा...

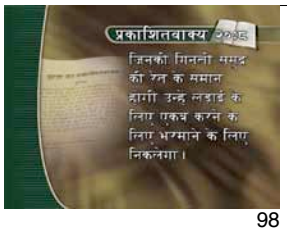

98

जिनकी गिनती समुद्र की रेत के समान होगी उन्हें लड़ाई के लिए एकत्र करने के लिए भरमाने के लिए निकलेगा।"

प्रकाशितवाक्य २०:७, ८

शायद आप सोच रहें होंगे कि इस लड़ाई में जाने वाले ये सब लोग कहाँ से आयेंगे।

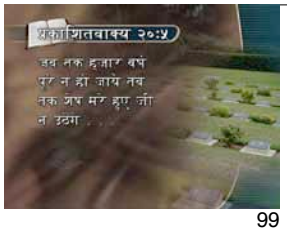

99

(मूलपाठः प्रकाशितवाक्य २०:५)

याद रखें हमने प्रकाशितवाक्य के २०वें अध्याय और ५वें पद में पढ़ा

"जब तक हजार वर्ष पूरे न हो जाये तब तक शेष मरे हुए जी न उठेंगे।"

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

100

जी हाँ, शेष मृतक या उद्धार रहित मृतक एक हजार वर्ष का समय समाप्त होने के बाद दंड के पुनरुत्थान में जी उठते हैं।

यह क्या ही दृश्य होगा कि आदम से लेकर दूसरे आगमन तक के सभी दुष्ट बहुत बड़ी संख्या में जी उठेंगे।

101

(मूलपाठः प्रकाशितवाक्य २०:८)

यूहन्ना कहता है "जिनकी गिनती समुद्र की रेत के समान होगी।"

प्रकाशितवाक्य २०:८

102

ठीक इसी समय १००० वर्ष का समय समाप्त होने पर पवित्र नगरी नया यरुशलेम मसीह और उद्धार प्राप्त लोगों के साथ इस पृथ्वी पर उतरेगा। बाईबिल कहती है कि यही नगरी शैतान के क्रोध का निशाना बन जाएगी।

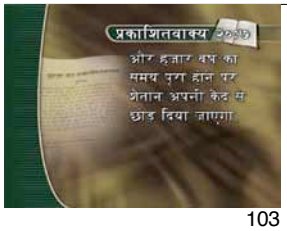

103

(मूलपाठः प्रकाशितावाक्य २०:७,८)

"और हजार वर्ष का समय पूरा होने पर शैतान अपनी कैद से छोड़ दिया जाएगा,

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

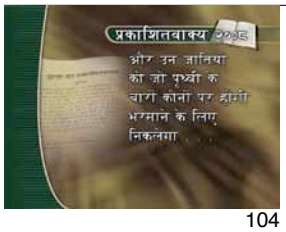

104

और उन जातियों को जो पृथ्वी के चारों कोनो से होंगी भरमाने के लिए निकलेगा---

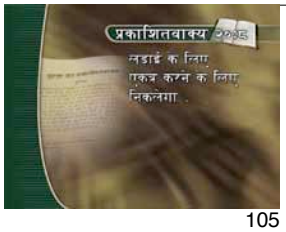

105

लड़ाई के लिए एकत्र करने के लिए निकलेगा।"

प्रकाशितवाक्य २०:७,८

106

अब शैतान और उसके दुष्ट दूत दुष्टों को पुनः भरमाने के लिए निकलेगें वह बिल्कुल नहीं बदलता!

उद्धार रहित शैतान को पुनः अपना नेता चुनेगें!

शैतान उनकी एक बड़ी सेना बना कर नये यरुशलेम को बलपूर्वक छीनने के लिए लेकर जायेगा।

यह पृथ्वी की अन्तिम लड़ाई है!

विद्रोह की अगुवाई में विशाल सेना आगे बढ़ती है!

107

आइए पढ़ें कि बाइबिल के अनुसार क्या होगा:

108

(मूलपाठ : प्रकाशित्तवाक्य २०:९)

"और वे सारी पृथ्वी पर फैल कर पवित्र लोगों की छावनी और प्रिय नगरी को घेर लेंगे।

109

और आग स्वर्ग से उतर कर उन्हें भस्म कर देगीं।"

प्रकाशितवाक्य २०:९

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

110

लड़ाई समाप्त हुई! कितने दुःख की बात है कि ऐसा होने की आवश्यकता नहीं थी! शैतान का क्या होगा? बाईबिल हमें बताती है:

111

(मूलपाठः प्रकाशितवाक्य २०:१०,१४,१५)
"उन्हें भरमाने वाला शैतान आग और गन्धक की झील में डाला गया...

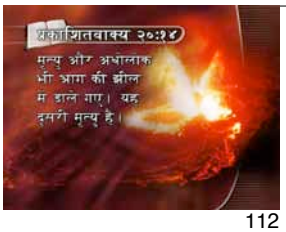

112

मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए। यह दूसरी मृत्यु है।

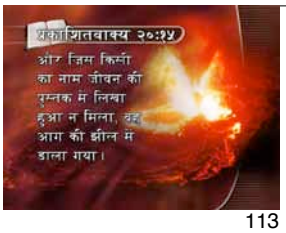

113

"और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया।"
प्रकाशितवाक्य २०:१०, १४, १५
पतरस ने यह आग दर्शन में देखी और लिखा :

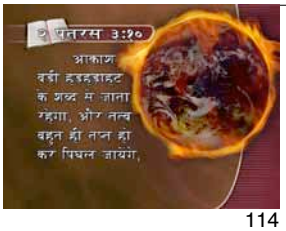

114

(मूलपाठः २ पतरस ३:१०)
"... आकाश बड़ी हड़हड़ाहट के शब्द से जाता रहेगा, और तत्व बहुत ही तप्त हो कर पिघल जायेंगे,

115

और पृथ्वी और उस पर के काम जल जाएंगे।"
२ पतरस ३:२०
शैतान उसके दुष्ट दूत और पापी हमेशा के लिए समाप्त हो जाएंगे!

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

116

हमारे रिश्तेदार, मित्र या जान पहचान वाले हमेशा के लिए जाते रहेंगे जिन्हें हम अत्यधिक प्रेम करते हैं वास्तव में हम रोयेंगे। नहीं तो यह कैसे हो सकता था?

117

(मूलपाठः प्रकाशितवाक्य २१:४)
परन्तु अच्छा समाचार यह है कि "और परमेश्वर उनकी आँखों से सब आंसू पोंछ डालेगा इसके बाद मृत्यु न रहेगी,

118

और न शोक, न विलाप, न पीड़ा, रहेगी पहली बातें जाती रहेंगी।"
प्रकाशितवाक्य २१:४

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

119

उद्धार पाए हुओं के लिए परमेश्वर क्या ही महिमामय अनन्त की प्रतिज्ञा करता है।

परमेश्वर उनके लिए जो उससे प्रेम करते हैं और उसके पीछे चलने के इच्छुक हैं एक स्वर्गलोक का निर्माण कर रहा है जिसकी महिमा और सुन्दरता की मनुष्य कल्पना भी नहीं कर सकता। और सोचने के लिए कि दुष्ट भी इसका आनन्द ले सकते थे, लेकिन कीमत बहुत अधिक लगी।

वे मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्त्ता चुनने के लिए तैयार नहीं थे। मेरे मित्र उस दिन आप कौन से समूह में होंगे? यदि वह दिन आ जाये तो दल बदलने के लिए समय नहीं मिलेगा। १००० वर्ष के आरम्भ में जब यीशु आते है तब तक बहुत देर हो चुकी होगी यदि आप बिना चेतावनी के अचानक मर जायें तबभी देर हो चुकी होगी। सम्पूर्ण निश्चय के लिए कि आप एक हजार वर्ष के अन्त में धर्मियों के मध्य होंगे इसके लिए एक ही मार्ग है कि आप आज ही अपना दिल और जीवन पूरी तरह से यीशु को दे दें।

२४ - जंजीरों में जकड़ी बुराई

120

यदि आप अपना जीवन पूरी तरह यीशु को देना चाहते हैं, मैं चाहूंगा कि आप विशेष प्रार्थना के लिए आगे आएं।

यदि आप के जीवन में कोई समस्या है इसी समय विशेष प्रार्थना के लिए आगे आएं।

यदि कोई आदत है जिस पर आप विजय प्राप्त करना चाहते हो प्रार्थना के लिए आगे आएं।

यीशु आपकी सुनेगें। यीशु उत्तर देगें। मैं एक मिनट प्रतीक्षा करुंगा, लेकिन आप आयें और अभी आगे आएं।